हम हर चीज

साझा करते हैं !

रोबर्ट मंश

हम हर चीज साझा करते हैं !

रोबर्ट मंश

हिंदी : मुरारी लाल थानवी

उनके स्कूल का पहला दिन,

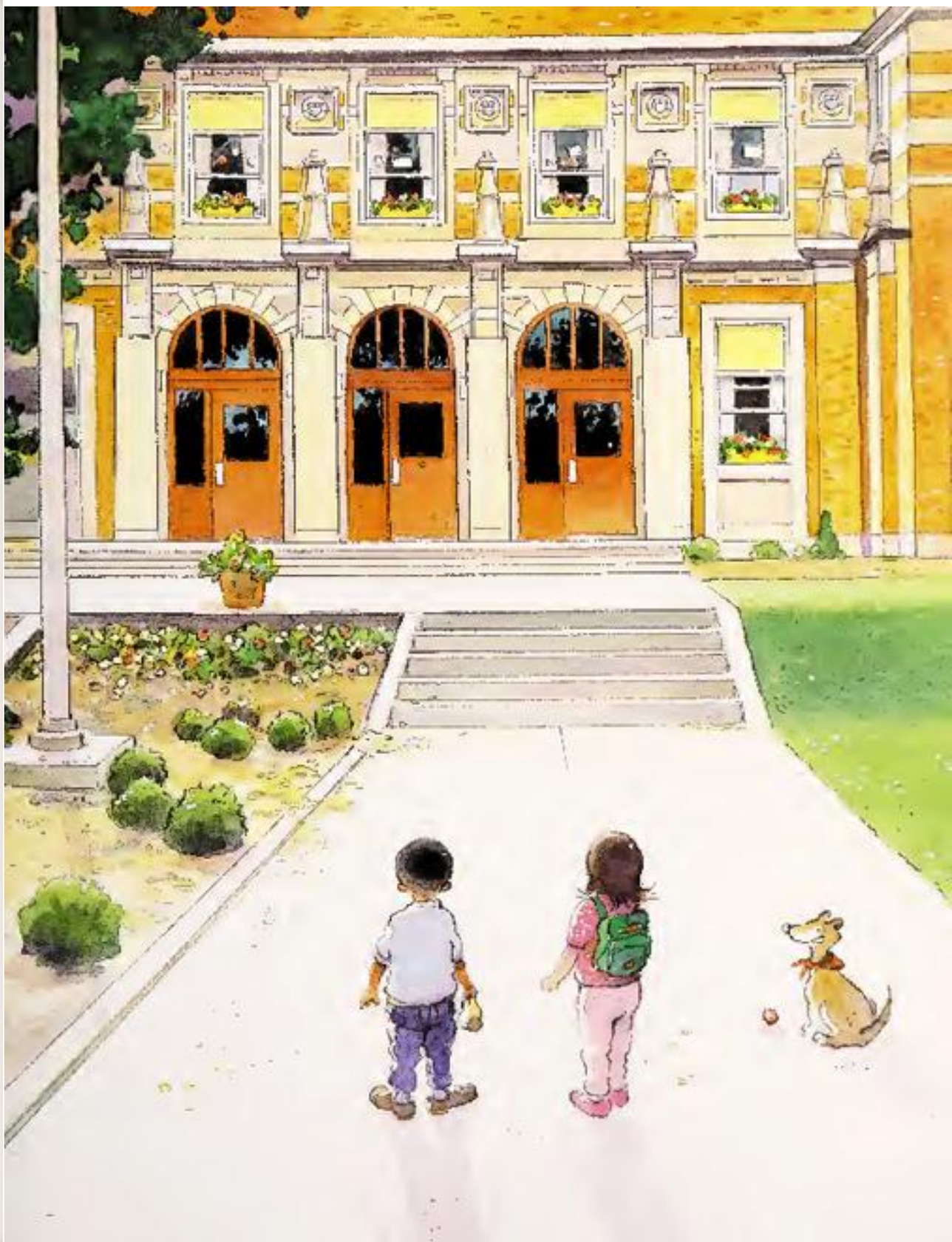

जब उनको पता नहीं था कि वे क्या करें,

अमांडा व जरमाया कक्षा में गये और अमांडा ने
एक किताब उठाई।
जरमाया उसके पास आया और बोला,
“वह किताब मुझे दे दो।”
अमांडा ने कहा - “नहीं, मैं तुम्हें यह किताब
नहीं दूंगी। मैं यह किताब देख रही हूं।”
जैसा कि जरमाया अपने छोटे भाई के साथ किया
करता है उसने वही किया।
उसने कहा, “यदि तुम मुझे वह किताब
नहीं दोगी, तो मैं शोर करने और
जोर से चिल्लाने वाला हूं।”
“बहुत ही गलत है!” अमांडा ने कहा।

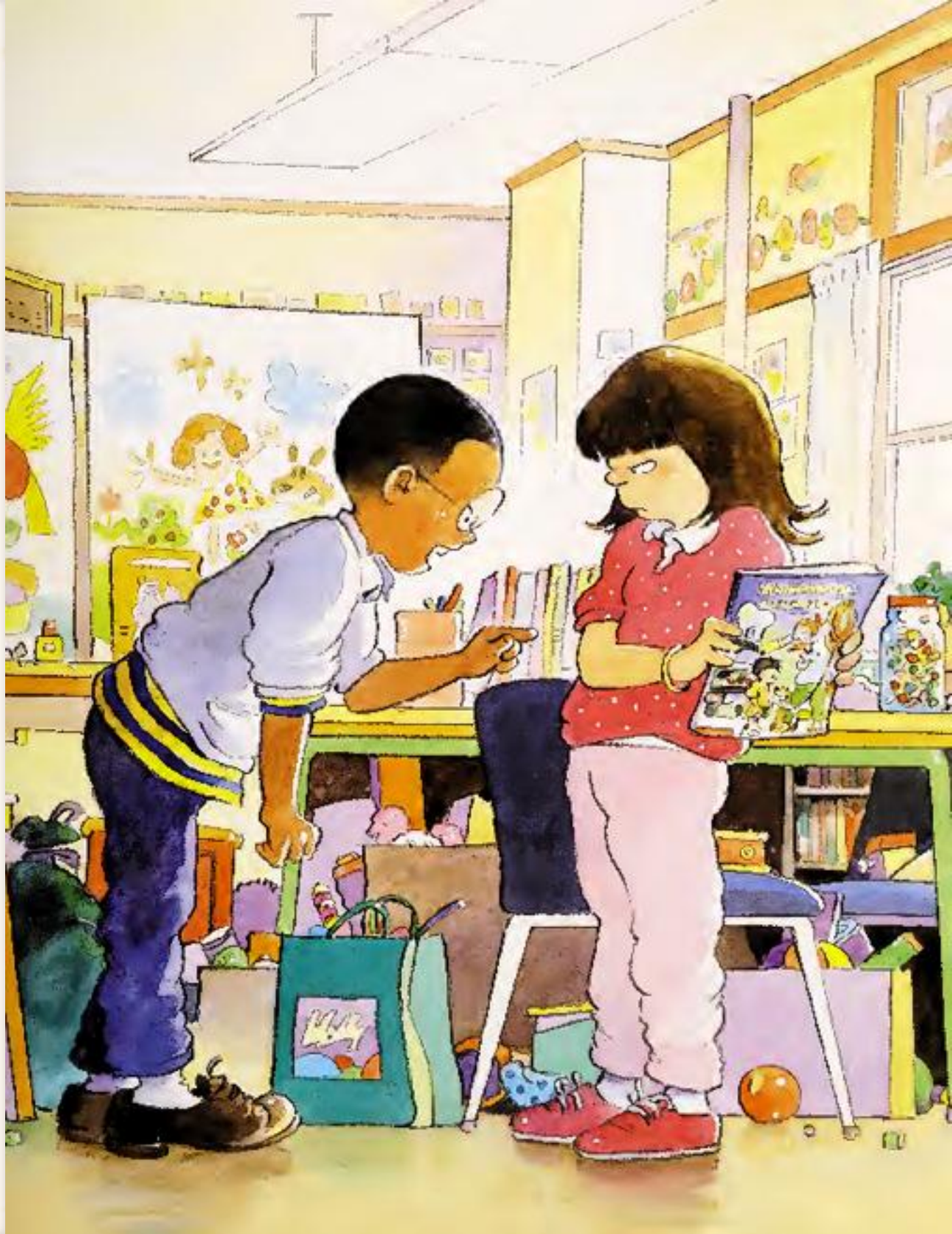

और वास्तव में जरमाया ने अपना पूरा मुंह
खोल दिया और जोर से चिल्लाया :

आ आ आ ह् ह् ह्

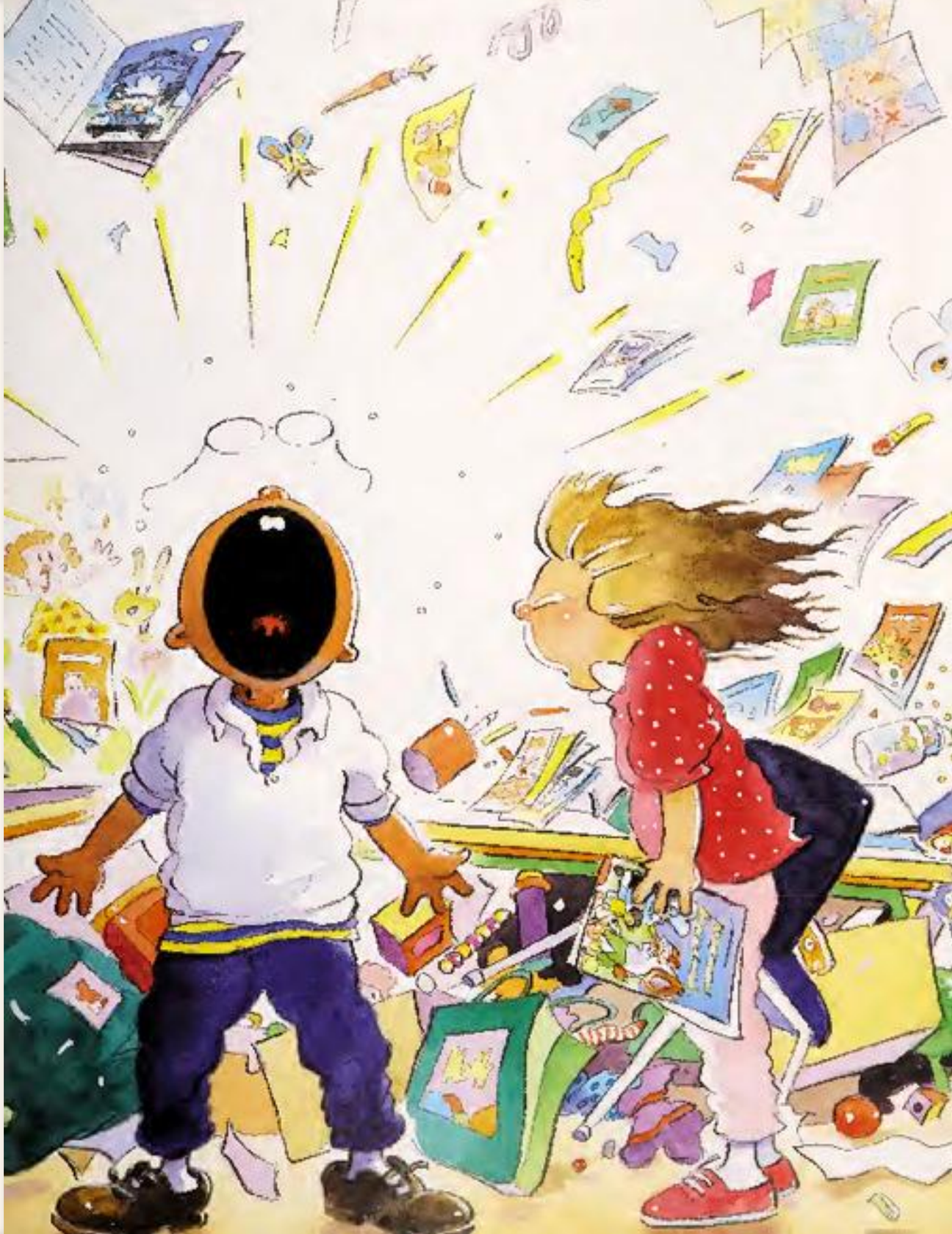

अमांडा ने किताब को उसके मुंह में घुसेड़ दी

फटाक !

जरमाया के मुंह से आवाज निकली ,

“वोआआआआ”

शिक्षिका दौड़ती हुई वहां आई
और बोली, “मेरी बात सुनो!
यह बच्चों का स्कूल है।
बच्चों के स्कूल में हम एक-दूसरे के
साथ वस्तुएं साझा करते हैं ।
हम हर चीज साझा करते हैं।”
“ओके, ओके, ओके, ओके, ओके ”
अमांडा और जरमाया ने कहा।

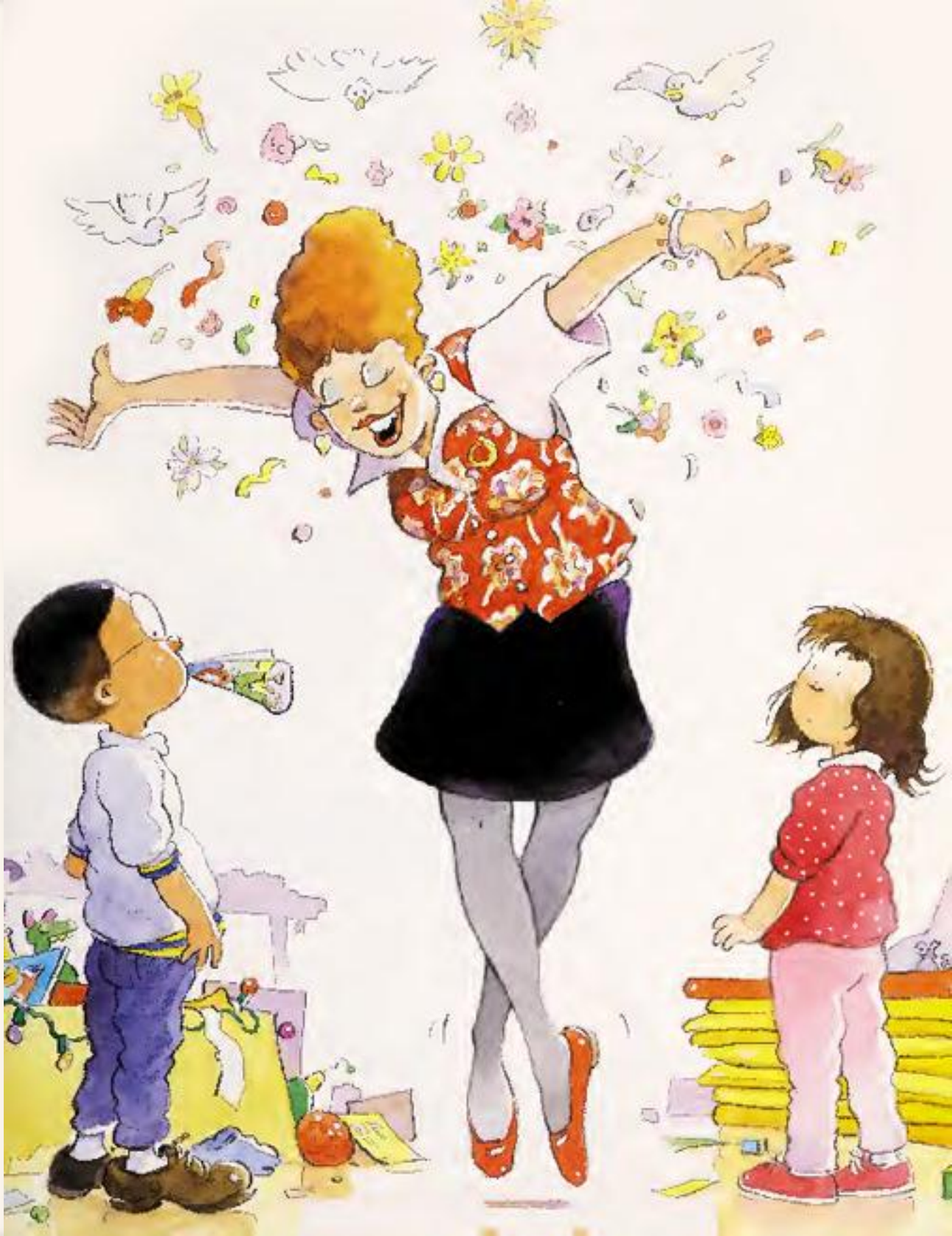

जरमाया ने ब्लॉक्स से एक मीनार
बनानी शुरू की।
अमांडा उसके पास आई और बोली,
“मुझे ये ब्लॉक्स दे दो ”
“मैं तुम्हें ब्लॉक्स नहीं दूंगा,” जरमाया ने कहा।
“मैं एक मीनार बना रहा हूं।”
सो, अमांडा ने वही काम किया जैसा कि वह
अपने बड़े भाई के साथ किया करती है।
उसने कहा, “यदि तुम मुझे यह ब्लॉक्स नहीं दोगे,
तो मैं मीनार को लात मारकर गिरा दूंगी!”
“ बहुत खराब बात,” जरमाया ने कहा।

और अमांडा ने ब्लॉक्स को लात मार दी :

धड़ाम !

ब्लॉक्स पूरे फर्श पर इधर-उधर बिखर गए।

अरे ! अरे !

अरे ! ऊह !

ऊह !

अरे !

ऊह !

शिक्षिका दौड़ती हुई वहां आई
और बोली,
“मेरी बात सुनो!
यह बच्चों का स्कूल है।
बच्चों के स्कूल में हम एक-दूसरे के साथ वस्तुएं
साझा करते हैं।
हम हर चीज साझा करते हैं।”
“ओके, ओके, ओके, ओके, ओके ”
अमांडा और जरमाया ने कहा।

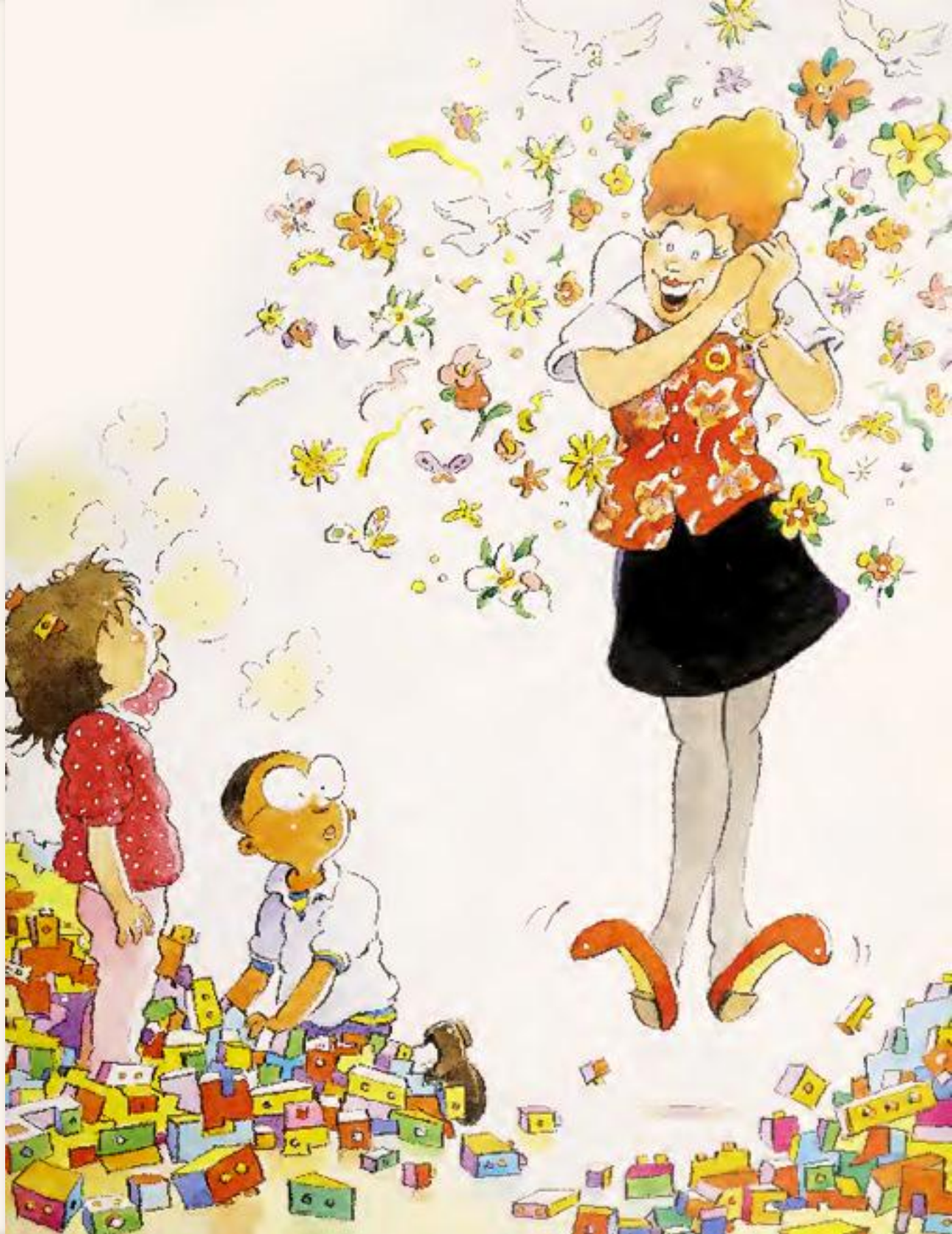

इसके बाद जरमाया और अमांडा
रंग के साथ खेलने लगे।
“पहले मैं,” जरमाया बोला।
अमांडा बोली “ नहीं! पहले मैं ” ।
“यदि तुम मुझे पहले नहीं जाने दोगे,”
जरमाया ने कहा, "तो मैं शोर करने और
जोर से चिल्लाने वाला हूं।”
अमांडा ने कहा, “गलत बात।”
जरमाया और अमांडा दोनों एक साथ शुरू हो गए,
और रंग कमरे के चारों ओर बिखर गया।
जरमाया जितना जोर से चिल्ला सकता था
चिल्लाया:

“आ आ आ ह् ह् ह्!”

शिक्षिका और सारे बच्चे दौड़कर
वहां आए और बोले,
“हमारी बात सुनो!
यह बच्चों का स्कूल है।
बच्चों के स्कूल में हम एक-दूसरे
के साथ वस्तुएं साझा करते हैं।
हम हर चीज साझा करते हैं।”

अब जरमाया ने अमांडा की ओर देखा और कहा

“ओके, अमांडा, अब हम साझा करेंगे। हम क्या साझा करेंगे?”

अमांडा बोली, “मुझे नहीं पता।”

“हम क्या साझा करें .... हम क्या साझा करें ...

हम साझा करते हैं अपने जूते।”

“अच्छा विचार है!" जरमाया ने कहा।

उन्होंने अपने जूते साझा किये और जरमाया ने कहा “

इसे देखो। गुलाबी जूते, ये बिल्कुल फिट हैं। मेरी मां ने मुझे

कभी गुलाबी जूते नहीं दिलाए। ये शानदार हैं!

अब क्या साझा करें... अब साझा करें ...

आओ अपनी कमीज साझा करते हैं।”

तो उन्होंने अपनी कमीज साझा की, और

जरमाया ने कहा “ इसे देखो। एक गुलाबी कमीज।

हमारी स्कूल में किसी भी बच्चे के पास गुलाबी कमीज नहीं है। ”

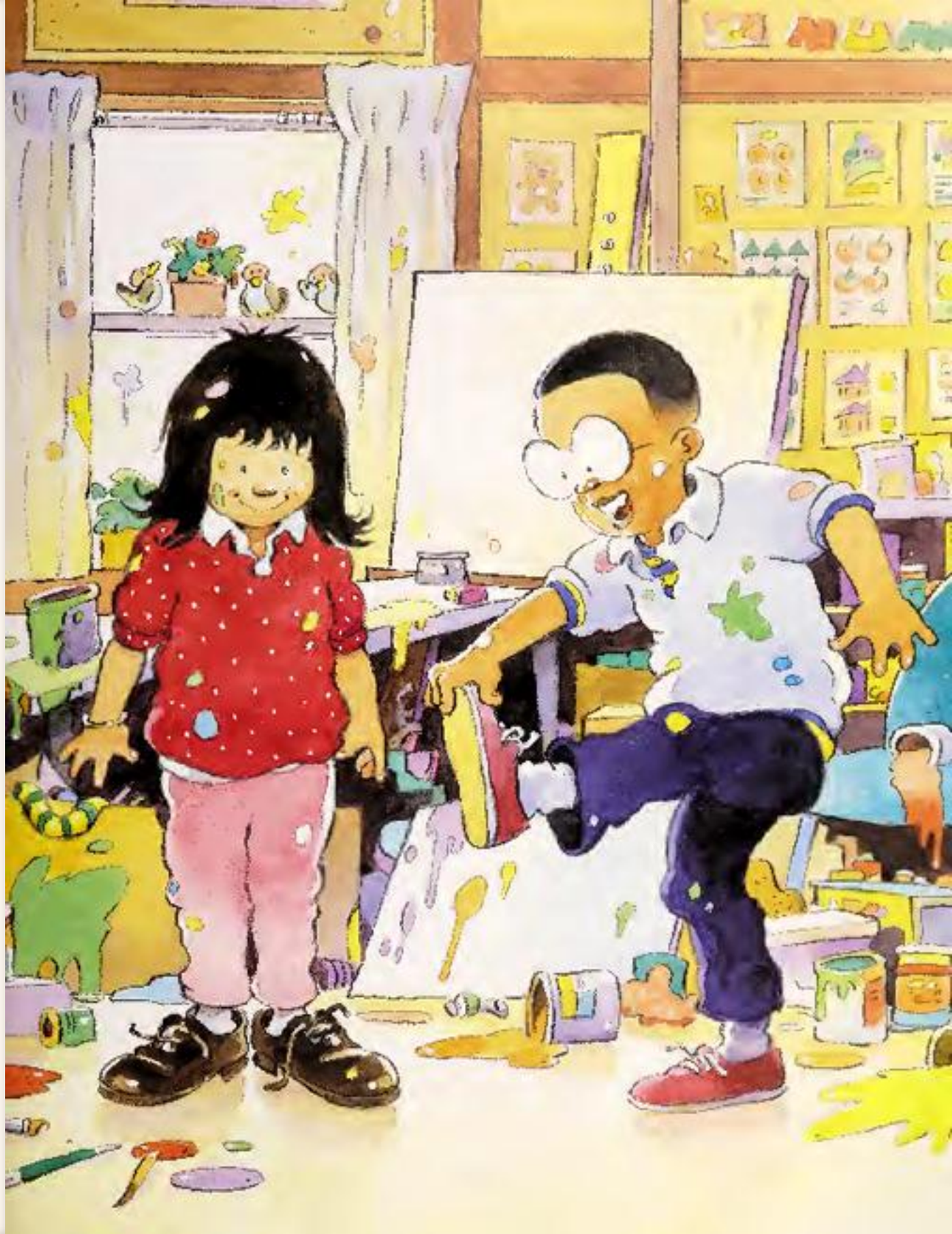

“हां,” अमांडा बोली। “वाह! आनंद आ रहा है।
अब क्या करें.....अब क्या करें ...
आओ अपनी पतलून साझा करते हैं।”
सो उन्होंने अपनी पतलून साझा की।
”वाह!” जरमाया ने कहा। “गुलाबी पतलून!”
शिक्षिका वापस आई और बोली, “ओह, जरमाया और
अमांडा। तुम साझा कर रहे हो, और तुम यह भी
सीख रहे हो कि बच्चों की स्कूल में क्या करना चाहिए,
और तुम बड़े भी हो रहे हो और जरमाया, वास्तव में
मुझे बहुत पसंद आई तुम्हारी ..... गुलाबी पतलून!
जरमाया, ये गुलाबी पतलून
तुम कहां से लाए?”
“ओह,” जरमाया ने कहा, “अब सब ठीक है।
अमांडा और मैं अपने कपड़ों को साझा करेंगे।”
शिक्षिका चिल्लाई, “यह क्या किया तुमने?
तुमको किसने कहा कि तुम अपने कपड़े साझा
कर सकते हो?”

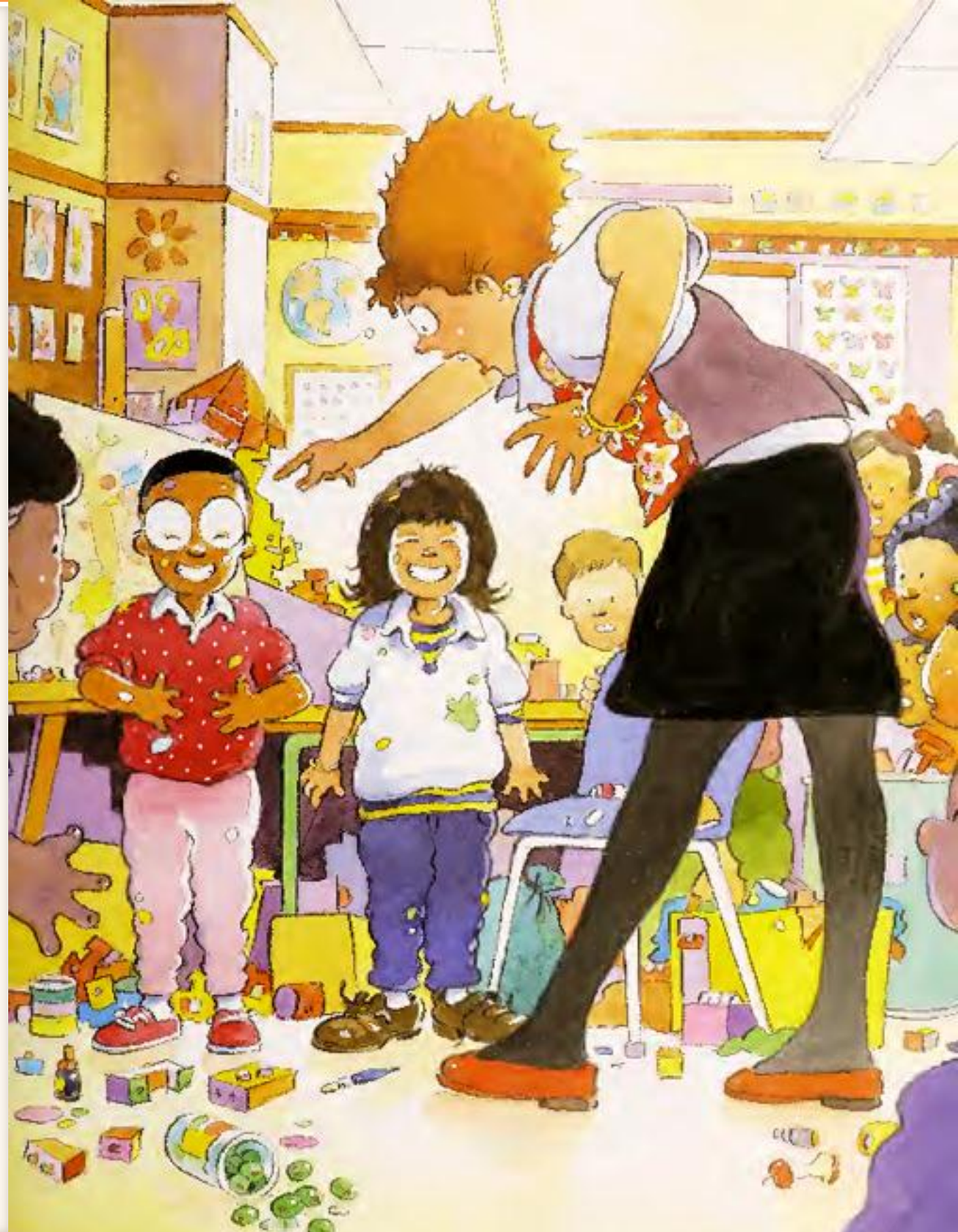

और सारे बच्चे बोले:

“अब देखो!

यह बच्चों का स्कूल है।

बच्चों के स्कूल में

हम साझा ..... ”

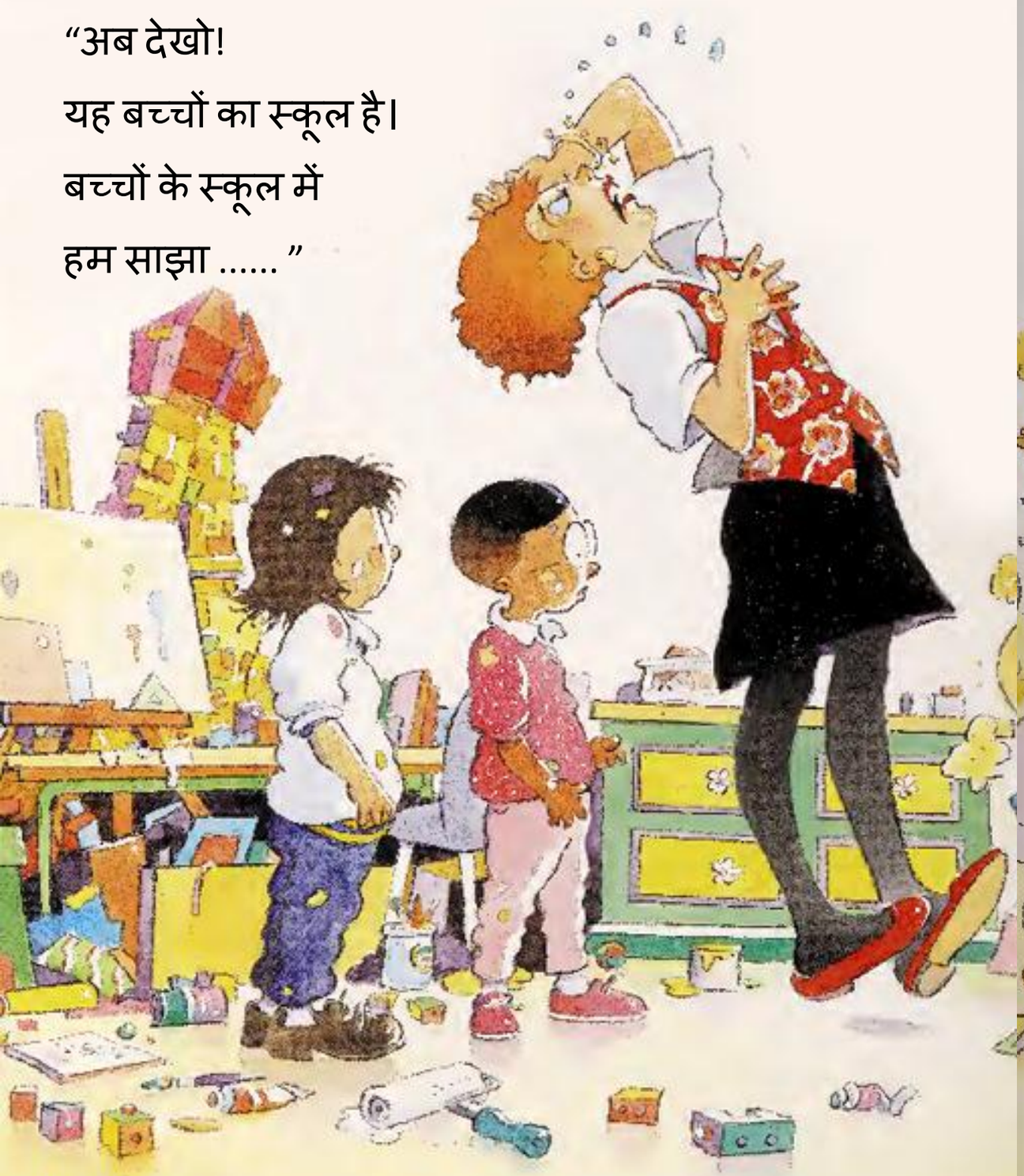

“ हम हर चीज साझा करते हैं!”

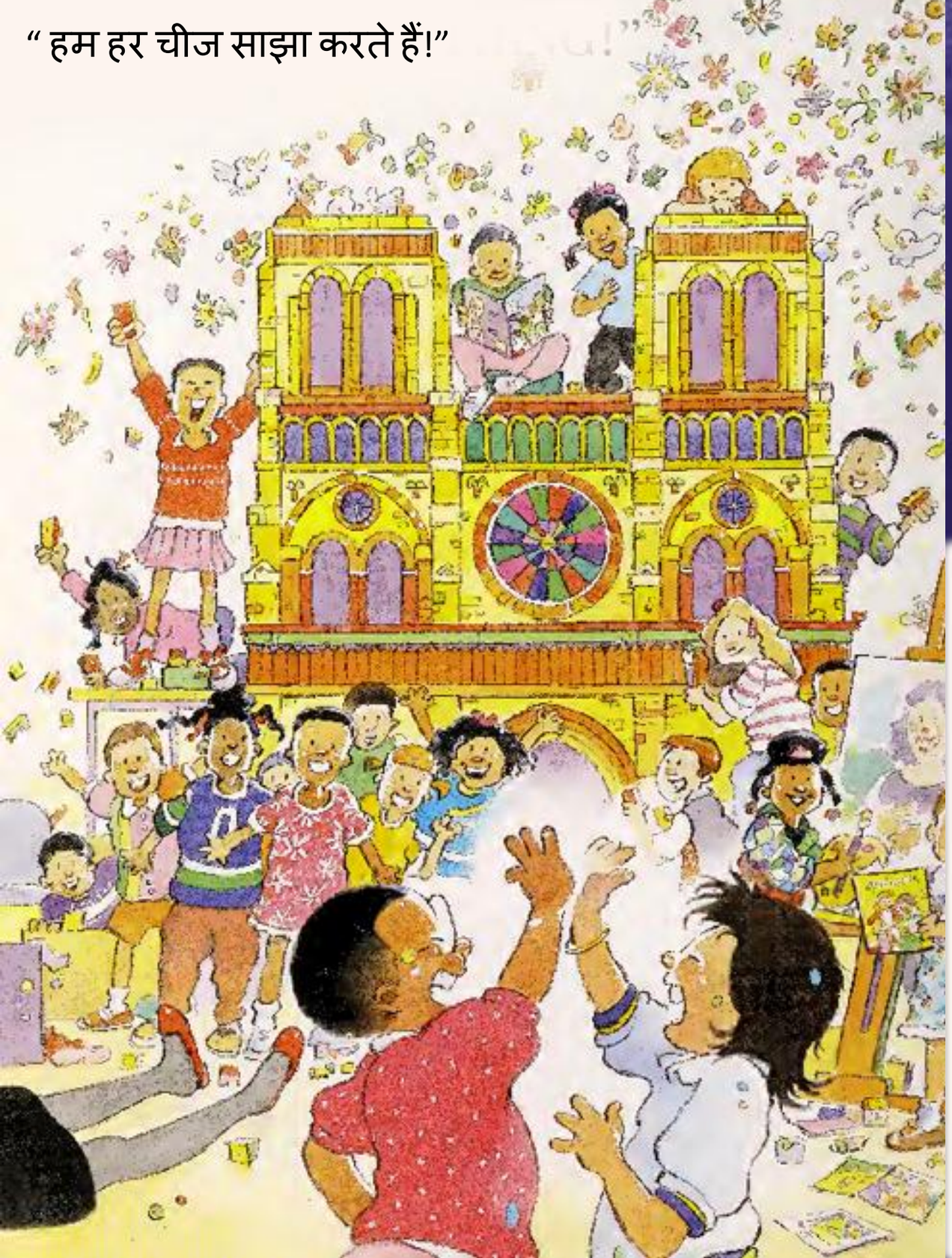

अंत